

झारखण्ड सरकार
झारखण्ड राज्य खाद्य आयोग, राँची।

पत्रांक :- रा0खा0आ0 (शिकायत) 10/2022- 475
प्रेषक,

संजय कुमार
सदस्य सचिव,
झारखण्ड राज्य खाद्य आयोग, राँची।

सेवा में,

सचिव
खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग,
झारखण्ड, राँची।

विषय:- देवघर जिले में राशन वितरण में अनियमितता संबंधी प्रकाशित समाचार पर
कार्रवाई के संबंध में।

राँची, दिनांक:- 27.05.2022

महाशय,

उपर्युक्त विषय के सम्बन्ध में निदेशानुसार कहना है कि दैनिक समाचार पत्र हिन्दुस्तान में दिनांक-16.05.2022 को देवघर जिले में राशन वितरण में अनियमितता संबंधी समाचार प्रकाशित हुई है, जिसमें महालेखाकार, झारखण्ड के ऑडिट रिपोर्ट में लाभुकों को वितरित दिखाए गए 551 क्विंटल चावल के वितरण से संबंधित प्रमाण/अभिलेख उपलब्ध नहीं करने का उल्लेख किया गया है।

अतः उक्त प्रकाशित समाचार के कतरन की प्रति संलग्न कर प्रेषित करते हुए अनुरोध है कि उक्त मामले की जाँच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करते हुए कृत कार्रवाई से आयोग को अवगत कराने की कृपा की जाय।

अनुलग्नक:-यथोक्त।

विश्वासभाजन

(संजय कुमार)

सदस्य सचिव,

झारखण्ड राज्य खाद्य आयोग, राँची।

ऑडिट रिपोर्ट | लाभकों का न तो हस्ताक्षर है, न अंगूठे का निशान, चावल वितरण हुआ नहीं और उपयोगिता प्रमाण पत्र भेज दिया

देवघर जिले में गाइबड़ी, 550 विक्टल चावल किसे बांटा, प्रमाण नहीं

राज्य विश्व

संघी राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के लागू होने के बीच चावल वितरण में भारी अनियमितताएं उजागर हुई हैं। लाभकों को बांटने में 550 विक्टल चावल का कोई हिसाब-किताब नहीं है। झारखंड के भंडालेखाकार की एंटीडट जांच रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया है कि किस तरह सरकारी राशि का दुरुपयोग और भारी बोझों को मिलेनवाला खाद्यान्न के साथ शिलेनाइ किया जा रहा है।

किस प्रखंड में चावल वितरण में हुई गाइबड़ी

प्रखंड	कुल वितरित चावल मधुपुर
साठ	99.60 विक्टल

अभ्युक्ति पेशी वितरित चावल की मात्रा के विरुद्ध एक भी लाभक का हस्ताक्षर या अंगूठे का निशान नहीं मिला। वितरित दिखाए गए 99.60 विक्टल चावल की मात्रा के विरुद्ध लाभक प्राप्ति हस्ताक्षर या अंगूठे का निशान या वितरण पेशी उपलब्ध नहीं।

किस प्रखंड में कितना वितरण वाकितना शेष रह गया अनाज

प्रखंड	लाभकों को वितरण देवीपुर	पालाजोरी	देवघर	भागीपुजा	साठ	सोनारदाधि करा
लाभकों को वितरण	150.90 विक्टल	240 विक्टल	251.80 विक्टल	174.20 विक्टल	128.10 विक्टल	74.10 विक्टल
शेष अनाज (विक्टल)	20.80 विक्टल	16.50 विक्टल	4.50 विक्टल	04.10 विक्टल	3.20 विक्टल	2.70 विक्टल
अभ्युक्ति जनवितरण दुकान में प्रखंड कार्यालय में	198 रूपए की बापसी फार्म 432/ नजारत दिनांक 24 अगस्त 2020)	बापसी/दुकान में	बापसी/दुकान में	बापसी/दुकान में	बापसी/दुकान में	बापसी/दुकान में
अनाज	240 विक्टल	251.80 विक्टल	174.20 विक्टल	128.10 विक्टल	74.10 विक्टल	89.90 विक्टल

करोने के लिए करना था। साथ ही इसका पूरा लेखा-जोखा रखना था। 1.47 करोड़ रूपए चावल खरीद कर बांटने को मिले थे। भंडालेखाकार की ऑडिट टीम ने जब जांच शुरू की तो इसमें भारी अनियमितताएं सामने आईं। देवघर के डायग्नोसिक को एक करोड़ 47 लाख रूपए चावल खरीद कर बांटने को मिले। इनमें से एक करोड़ 46 लाख 99 हजार 802 रूपए का उपयोगिता प्रमाणपत्र (शेष राशि 198 रूपए की बापसी फार्म 432/ नजारत दिनांक 24 अगस्त 2020) खाद्य, सांख्यिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले के विभाग के प्रबंध निदेशक रावी को भेज दिया। एंटीडट जांच में खाद्यान्न का कारखाने के वितरण और उपयोगिता प्रमाणपत्र के नैतिक नमूना जांच में भगा गया कि डायग्नोसिक को देवघर के चावल लाभकों को बांटने का नहीं भगा है। शेष राशि और खाद्य की ऑडिट जांच (अनपूर 2021) तक प्रखंड वितरित प्रबंधकारी, प्रखंड अंगुठि प्रबंधकारी और जन वितरण प्रणाली के फार्म पकड़े हुए हैं।

करोने के लिए करना था। साथ ही इसका पूरा लेखा-जोखा रखना था। 1.47 करोड़ रूपए चावल खरीद कर बांटने को मिले थे। भंडालेखाकार की ऑडिट टीम ने जब जांच शुरू की तो इसमें भारी अनियमितताएं सामने आईं। देवघर के डायग्नोसिक को एक करोड़ 47 लाख रूपए चावल खरीद कर बांटने को मिले। इनमें से एक करोड़ 46 लाख 99 हजार 802 रूपए का उपयोगिता प्रमाणपत्र (शेष राशि 198 रूपए की बापसी फार्म 432/ नजारत दिनांक 24 अगस्त 2020) खाद्य, सांख्यिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले के विभाग के प्रबंध निदेशक रावी को भेज दिया। एंटीडट जांच में खाद्यान्न का कारखाने के वितरण और उपयोगिता प्रमाणपत्र के नैतिक नमूना जांच में भगा गया कि डायग्नोसिक को देवघर के चावल लाभकों को बांटने का नहीं भगा है। शेष राशि और खाद्य की ऑडिट जांच (अनपूर 2021) तक प्रखंड वितरित प्रबंधकारी, प्रखंड अंगुठि प्रबंधकारी और जन वितरण प्रणाली के फार्म पकड़े हुए हैं।

ऑडिट जांच में पता गया है कि तीन प्रखंडों द्वारा लाभकों को वितरित दिखाए गए 551 विक्टल चावल के विरुद्ध कोई प्रमाण जैसे प्राप्ति के विरुद्ध लाभकों का हस्ताक्षर/अंगूठे का निशान और संबंधित वितरण पेशी या अभिलेख न तो उपलब्ध थे।

और न ही ऑडिट जांच के दौरान प्रस्तुत किया जा सका। जिसमें दिखाया गया चावल का वितरण सहेलस्यद प्रतीत होता है। प्रति परिवार 10 किलोग्राम चावल उपलब्ध कराना था: खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग के द्वारा 23 मार्च 2020 को देवघर के उपयुक्त को

30 लाख रूपए उपलब्ध कराते हुए यह निदेश दिया गया था कि वे इसे व्यक्तिगत या खाद्य सुरक्षा कानून के दायरे में आते हैं, लेकिन उन्हें अनाज पाने की योजना में शामिल नहीं किया गया है, उन्हें प्रति परिवार 10 किलोग्राम स्थानीय बाजार समिति की दर पर खरीद कर एक रूपए प्रति किलोग्राम की दर से चावल उपलब्ध

करोने के लिए करना था। साथ ही इसका पूरा लेखा-जोखा रखना था। 1.47 करोड़ रूपए चावल खरीद कर बांटने को मिले थे। भंडालेखाकार की ऑडिट टीम ने जब जांच शुरू की तो इसमें भारी अनियमितताएं सामने आईं। देवघर के डायग्नोसिक को एक करोड़ 47 लाख रूपए चावल खरीद कर बांटने को मिले। इनमें से एक करोड़ 46 लाख 99 हजार 802 रूपए का उपयोगिता प्रमाणपत्र (शेष राशि 198 रूपए की बापसी फार्म 432/ नजारत दिनांक 24 अगस्त 2020) खाद्य, सांख्यिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले के विभाग के प्रबंध निदेशक रावी को भेज दिया। एंटीडट जांच में खाद्यान्न का कारखाने के वितरण और उपयोगिता प्रमाणपत्र के नैतिक नमूना जांच में भगा गया कि डायग्नोसिक को देवघर के चावल लाभकों को बांटने का नहीं भगा है। शेष राशि और खाद्य की ऑडिट जांच (अनपूर 2021) तक प्रखंड वितरित प्रबंधकारी, प्रखंड अंगुठि प्रबंधकारी और जन वितरण प्रणाली के फार्म पकड़े हुए हैं।

करोने के लिए करना था। साथ ही इसका पूरा लेखा-जोखा रखना था। 1.47 करोड़ रूपए चावल खरीद कर बांटने को मिले थे। भंडालेखाकार की ऑडिट टीम ने जब जांच शुरू की तो इसमें भारी अनियमितताएं सामने आईं। देवघर के डायग्नोसिक को एक करोड़ 47 लाख रूपए चावल खरीद कर बांटने को मिले। इनमें से एक करोड़ 46 लाख 99 हजार 802 रूपए का उपयोगिता प्रमाणपत्र (शेष राशि 198 रूपए की बापसी फार्म 432/ नजारत दिनांक 24 अगस्त 2020) खाद्य, सांख्यिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले के विभाग के प्रबंध निदेशक रावी को भेज दिया। एंटीडट जांच में खाद्यान्न का कारखाने के वितरण और उपयोगिता प्रमाणपत्र के नैतिक नमूना जांच में भगा गया कि डायग्नोसिक को देवघर के चावल लाभकों को बांटने का नहीं भगा है। शेष राशि और खाद्य की ऑडिट जांच (अनपूर 2021) तक प्रखंड वितरित प्रबंधकारी, प्रखंड अंगुठि प्रबंधकारी और जन वितरण प्रणाली के फार्म पकड़े हुए हैं।

करोने के लिए करना था। साथ ही इसका पूरा लेखा-जोखा रखना था। 1.47 करोड़ रूपए चावल खरीद कर बांटने को मिले थे। भंडालेखाकार की ऑडिट टीम ने जब जांच शुरू की तो इसमें भारी अनियमितताएं सामने आईं। देवघर के डायग्नोसिक को एक करोड़ 47 लाख रूपए चावल खरीद कर बांटने को मिले। इनमें से एक करोड़ 46 लाख 99 हजार 802 रूपए का उपयोगिता प्रमाणपत्र (शेष राशि 198 रूपए की बापसी फार्म 432/ नजारत दिनांक 24 अगस्त 2020) खाद्य, सांख्यिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले के विभाग के प्रबंध निदेशक रावी को भेज दिया। एंटीडट जांच में खाद्यान्न का कारखाने के वितरण और उपयोगिता प्रमाणपत्र के नैतिक नमूना जांच में भगा गया कि डायग्नोसिक को देवघर के चावल लाभकों को बांटने का नहीं भगा है। शेष राशि और खाद्य की ऑडिट जांच (अनपूर 2021) तक प्रखंड वितरित प्रबंधकारी, प्रखंड अंगुठि प्रबंधकारी और जन वितरण प्रणाली के फार्म पकड़े हुए हैं।

18/5/22
दिनांक - 16 मई 2022

Put up
18/5/22

18/5/22
18-5-22

हिंदुस्तान
26/5/22